स्वर्णिम संस्कृति कला संदेश पत्रिका

अंक - 84 | विशेष अंक - मार्च 2026 | प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय , आबू राज (राज.)

श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखंड में कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर और भव्य उद्घाटन समारोह का हुआ आयोजन

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी अभियान के प्रति भेजी शुभकामनाएं

श्रीनगर (उत्तराखंड) स्थित दादी मनोहर इंद्रा राजयोग भवन में कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवं भव्य उद्घाटन समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर "नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान" के लिए प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में देशभर से आए कलाकारों एवं गायकों ने आध्यात्मिक प्रस्तुतियों से वातावरण को भावमय बना दिया। मुख्य वक्ता **राजयोगिनी बी.के. चंद्रिका दीदी** ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण, आत्म-चिंतन, आत्म-सम्मान और आत्म-प्रेम के महत्व पर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि विधायक भ्राता **भरत सिंह चौधरी** ने राजयोग को जीवन में संतुलन का मार्ग बताया, जबकि अध्यक्षता कर रहे विधायक **भ्राता विनोद कंडारी** ने आयोजन को समाजहित में प्रेरणादायक बताया। राज्य मंत्री **भ्राता श्याम वीर सैनी** ने युवाओं को नशे से बचाने हेतु इस अभियान की सराहना की। कार्यक्रम में **बी.के. प्रेम दीदी, बी.के. पूनम दीदी, बी.के. राधेश्याम गर्ग** सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में कथक नृत्य, गीत एवं नृत्य - नाटिका के माध्यम से उत्तराखंड की संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई। दीप प्रज्वलन एवं कलश प्रदान कर अभियान का शुभारंभ किया गया तथा दो दिवसीय प्रशिक्षण में कलाकारों व रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को ईश्वरीय सेवा हेतु विशेष मार्गदर्शन दिया गया।

" राजयोग ही वह मार्ग है जिससे हम सुख - दुःख, लाभ हानि में एक समान रहना सीखते है। "

भ्राता भरत सिंह चौधरी, विधायक रुद्रप्रयाग

दिल्ली में "अखिल भारतीय दैवी संस्कृति जागृति अभियान" का शुभारंभ

"आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही शांति, प्रेम, सद्भाव की वैश्विक संस्कृति की स्थापना संभव - बीके चंद्रिका दीदी

स्वास्थ्य विहार, दिल्ली में शांति, प्रेम एवं सद्भाव की वैश्विक संस्कृति योजना के अंतर्गत "अखिल भारतीय दैवी संस्कृति जागृति अभियान" का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के कला, संस्कृति एवं युवा प्रभाग की अध्यक्षा **राजयोगिनी चंद्रिका दीदी** ने कहा कि जीवन में सच्ची खुशी और आनंद के लिए आध्यात्मिकता को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही विश्व में शांति, प्रेम और सद्भाव की स्थापना संभव है।

कार्यक्रम का आयोजन **बी.के. पूनम दीदी** के संरक्षण में हुआ। कृष्णा नगर के विधायक **डॉ. अनिल गोयल** ने ब्रह्माकुमारीज़ में नारी नेतृत्व को सशक्तिकरण का प्रतीक बताते हुए इसके सामाजिक प्रभाव की सराहना की।

इस अवसर पर **पद्मश्री जितेंद्र सिंह शंटी, डॉ. नेम सिंह प्रेमी, मिस इंडिया इशा अग्रवाल, फैशन डिजाइनर सलोनी मल्होत्रा एवं भरतनाट्यम नृत्यांगना देवयानी** सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में **बीके प्रेम दीदी** ने ईश्वरीय प्रेरणाएं दीं तथा **बीके अल्पा** ने राजयोग का अनुभव कराया। **बीके भावना** ने धन्यवाद ज्ञापित किया और संचालन **बीके रचना** ने किया। कार्यक्रम में 500 से अधिक लाभान्वित हुए।

संपादकीय

"सद्भावना की कला के माध्यम से राष्ट्र के उत्थान में अपना अमूल्य योगदान दें"

आज का समय परिवर्तन का समय है—जहाँ एक ओर भौतिक प्रगति अपने चरम पर है, वहीं दूसरी ओर मानव के भीतर शांति, प्रेम और सद्भावना की कमी स्पष्ट रूप से अनुभव की जा रही है। ऐसे समय में कला एवं संस्कृति का क्षेत्र केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली सशक्त शक्ति बनकर उभर रहा है।

गत वर्ष कला एवं संस्कृति प्रभाग के वैश्विक संस्कृति: प्रेम, शांति एवं सद्भावना प्रोजेक्ट के माध्यम से भारत वर्ष के भिन्न-भिन्न स्थानों पर अनेक प्रेरणादायी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कलाकारों, साहित्यकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट विभूतियों को एक मंच पर लाकर सकारात्मक चिंतन और मूल्यनिष्ठ सृजन की प्रेरणा दी गई।

अब हम सभी यज्ञ के नवदशकोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में "पारिवारिक सद्भावना अभियान" को पूरे भारतवर्ष में प्रारंभ करने का संकल्प ले रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से कला एवं संस्कृति से जुड़े सभी भाई-बहनों तक प्रेम, शांति और सद्भावना का दिव्य संदेश पहुँचाया जाएगा। यह अभियान न केवल परिवारों में आपसी प्रेम और समझ को बढ़ाएगा, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार भी बनेगा।

मैं हृदय से अभिनंदन और आभार व्यक्त करती हूँ उन सभी अथक सेवा साथियों—ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों का, जिन्होंने इस महान कार्य के लिए अपना संकल्प और समर्पण दिया है। आप सभी का योगदान इस अभियान की सफलता की नींव है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि आज संसार को केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना की आवश्यकता है। ऐसे में यह अभियान समय की पुकार है। हमें पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर सद्भावना की कला के माध्यम से समाज और राष्ट्र के उत्थान में अपना अमूल्य योगदान देंगे और एक बार पुनः स्वर्णिम दैवी संस्कृति की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

आइए, हम सब मिलकर इस पावन संकल्प को साकार करें—

प्रेम, शांति और सद्भावना से युक्त एक सुंदर, सशक्त और मूल्यनिष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सहयोग दें।

ओम् शांति।

मानसरोवर, आबू रोड : कला-संस्कृति प्रभाग के आजीवन सदस्य के लिए आयोजित रिट्रीट का उद्घाटन करते हुए बीके जयंती, अतिरिक्त प्रशासिका, तथा कला-संस्कृति के पदाधिकारी बीके चन्द्रिका, बीके दयाल, बीके प्रेम, बीके पूनम, बीके कुंदा, एवं बीके शीतल

278 कार्यक्रमों से 110046 लोगो ने पाया प्रेम, शांति, सद्भावना का सन्देश

संख्या	कार्यक्रम	लाभार्थी
134	त्योहार- उत्सव	22052
55	सांस्कृतिक कार्यक्रम	57341
43	टॉक शो / क्लास	5696
15	कार्यशाला	3525
7	लॉन्चिंग कार्यक्रम	9200
7	स्पर्धाएं	1085
6	प्रशिक्षण	1160
4	सार्वजानिक कार्यक्रम	6500
3	कवि सम्मलेन	1175
1	राष्ट्रीय सम्मलेन	400
1	राष्ट्रीय रिट्रीट	400
1	सेमिनार	400

"कला और आध्यात्मिकता के समन्वय से विश्व सेवा सहज सम्भव"

बीके जयंति दीदी जी,
अतिरिक्त,मुख्य प्रशासिका,

ब्रह्मपुरी, चंद्रपुर : ब्रह्मपुरी-चंद्रपुर के द्वारा रामनवमी के पावन पर्व पर पारिवारिक सद्भावना यात्रा एवं रामेश्वरम दर्शन का हुआ आयोजन

"करनाल से गूंजी सद्भावना की आवाज, पारिवारिक सद्भावना अभियान का भव्य शुभारंभ"

कला - संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा चन्द्रिका दीदी जी वर्ल्ड रिकार्ड ऑफ एक्सीलेंस, इंग्लैंड अवार्ड से सम्मानित

करनाल के सेक्टर-7 स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र द्वारा संस्था के 90 वर्ष पूर्ण होने पर कला एवं संस्कृति प्रभाग के अंतर्गत वैश्विक संस्कृति, प्रेम, शांति एवं सद्भावना प्रोजेक्ट का शुभारंभ मंगलसेन सभागार में किया गया। मुख्य वक्ता राजयोगिनी **बी.के. चंद्रिका दीदी** ने जीवन में देने की भावना, प्रेम और विश्वास को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि इससे परिवार और समाज में सद्भावना का विकास होता है। **बी.के. प्रेम दीदी व बी.के. पूनम दीदी** ने अभियान की महत्ता बताते हुए सभी को प्रेम और सद्भावना अपनाने की प्रतिज्ञा करवाई। कार्यक्रम में आध्यात्मिक संगीत, बांसुरी व नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। अंत में अतिथियों का सम्मान व धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर **गीता प्रकाश, नवीन संदूजा, श्रीयांश बंसल, रमन मिड्डा, बहादुर सिंह, मोनिका कपूर, भारती भारद्वाज, गौतम जैन, शैलजा गुप्ता, पीके जैन, डा. आरके राणा, अश्विनी सहगल, नीमा सदस्य रेणु भारद्वाज** आदि मौजूद रहे।

भारत वर्ष में पारिवारिक सद्भावना अभियान से मिल रहा है लाखो भाई - बहेनों को वैश्विक संस्कृति का सन्देश

चंद्रपुर में पारिवारिक सद्भावना व वैश्विक शांति हेतु कार्यक्रम आयोजित: चंद्रपुर में ब्रह्माकुमारीज़ के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा विशेष पारिवारिक सद्भावना एवं वैश्विक शांति-प्रेम प्रोजेक्ट के अंतर्गत आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि संस्था के 90 वर्षों के अभियान से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है तथा ईश्वर स्मृति और राजयोग के अभ्यास से पारिवारिक जीवन सुखमय बनता है।

कला - संस्कृति प्रभाग की पूर्व अध्यक्षा **बीके कुसुम दीदी** की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रभाग के उपाध्यक्ष **बीके दयाल भाई जी, रुक्मिणी दीदी, नलिनी दीदी जी और कुंदा दीदी जी** सहित विभिन्न वक्ताओं ने आध्यात्मिकता, राजयोग और सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं **अजय माडूरवार व निलेश पिंपलकर** के सहयोग की सराहना की गई। साथ ही कई दीदीयों एवं भाई-बहनों ने अपने विचार साझा किए और आध्यात्मिक अनुभवों से उपस्थित जनों को प्रेरित किया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

"नवदशकोत्सव में गूंजा आध्यात्म और संस्कृति का संगम, नटराज नृत्य ने मोहा

शाहाबाद मारकंडा में ब्रह्माकुमारी संस्था के 90 वर्ष पूर्ण होने पर समाज सेवा एवं कला-संस्कृति प्रभाग द्वारा प्रभु अनुभूति भवन में आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता राजयोगिनी बी.के. चंद्रिका दीदी ने दीप प्रज्ज्वलन व शिव ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और परिवार में सद्भावना व आध्यात्मिक मूल्यों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में विधायक रामकरण सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। राजयोगिनी आशा दीदी, बी.के. प्रेम दीदी व बी.के. नीति दीदी ने भी शांति, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों पर प्रेरणादायी संदेश दिए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बी.के. युगरत्न व बी.के. किरण बहन के भजनों के साथ नटराज कला केंद्र की नृत्यांगनाओं ने कथक नृत्य से समां बांधा। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को सम्मानित किया गया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ। बड़ी संख्या में बी.के. भाई-बहनों व नागरिकों ने सहभागिता की।

11 स्थानों में संपन्न हुए भव्य कार्यक्रम

"परिवार में सद्भावना की कला" विषय पर प्रेरणादायी आयोजन सम्पन्न

नीलोखेड़ी। प्रभाग द्वारा "परिवार में सद्भावना की कला" विषय पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्योगपतियों एवं समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

"परिवार में सद्भावना के लिए क्षमा सराहना, और स्व-परिवर्तन जरूरी"- बीके चन्द्रिका दीदी

अंबाला शहर। अंबाला, 16 कांच घर द्वारा सिटी प्लाज़ा में "परिवार में सद्भावना की कला" विषय पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता बीके चंद्रिका दीदी जी ने सद्भावना के लिए सराहना क्षमा और स्व-परिवर्तन पर बल दिया, जबकि बीके प्रेम दीदी जी ने पारिवारिक मूल्यों को सशक्त बनाने का संदेश दिया। बीके युग रतन भाई जी ने मधुर गीतों से सभी को भावविभोर किया। अंत में बीके शिवानी दीदी जी ने आभार व्यक्त किया और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विभिन्न स्थानों पर अभियान अंतर्गत संगोष्ठी, कार्यशाला एवं सम्मलेन का हुआ आयोजन

सहारनपुर। "आपसी संबंधो में मधुरता एवं समन्वयता " विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें प्रभाग की अध्यक्षा बीके चन्द्रिका, बीके प्रेम, बीके सतीश, बीके विवेक, बीके नितिन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

पुणे–कोल्हापुर। कला एवं संस्कृति प्रभाग तथा मीरा सोसायटी सबज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में अभियान का शुभारंभ पुणे के जगदंबा भवन रिट्रीट सेंटर में हुआ, जिसमें प्रमुख वक्ताओं ने कलाकारों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर बल दिया। बीके सतीश भाई जी, नेहा दीदी एवं सुनंदा दीदी सहित अनेक वरिष्ठों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शालीमारबाग। वैश्विक संस्कृति -प्रेम शांति सद्भावना प्रोजेक्ट अंतर्गत कार्यशाला, संगोष्ठी का आयोजन बीके पूनम दीदी जी के निर्देशन में संपन्न हुए।

साकेत नगर-इंदौर। पारिवारिक सद्भावना जागृति अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बीके शकुंतला, बीके अंबिका, पार्षद - श्रीमती मुद्रा शास्त्री, आशा बड़जात्या, हर्षिता वैद्य, उषा गुप्ता पिंकी मल्होत्रा & दीपिका मल्होत्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

रीवा। प्रोजेक्ट अंतर्गत विश्व कविता दिवस पर काव्य संगोष्ठी का आयोजन हुआ। बीके पूजा, अंजुला, सुभाष, पीयूष, सतेन्द्र, प्रभाकर सिंह आदि अपनी स्व रचित कविताओं का पाठ किया। आभार प्रदर्शन बीके दीपक तिवारी ने किया।

मानवतानगर-इंदौर। पारिवारिक सद्भावना जागृति अभियान के अंतर्गत हैप्पीनेस कैफे राउंड टेबल वर्कशाप का आयोजन किया गया। जिसमें बीके शकुंतला, बीके मीतु, , बीके अंबिका, कवियत्री शीला पाटिल, गायिका संगीता चौबे, प्रसिद्ध उद्योगपति टी सी नायकसहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

संपादिका: ब्र.कु.चन्द्रिका दीदी, अहमदाबाद, संयुक्त संपादक: ब्र.कु. सतीश, मधुबन
प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. आत्म प्रकाश, ओम शान्ति प्रेस, न्यू ज्ञानामृत भवन, ओम शांति नगर, भुजेला पोस्ट: भरजा - 307032, जिला सिरोही (राजस्थान)
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं राजयोगा एज्युकेशन एंड रिसर्च फाउन्डेशन, आबू राज से प्रकाशित

ब्र.कु. दयाल, उपाध्यक्ष, कला-संस्कृति प्रभाग,
ज्ञान सरोवर, आबू राज(राज.)- 307501
artculturewing@bkivv.org
www.artandculturewing.org
9428386090

इस अंक में प्रकाशित सामग्री का उपयोग किया जा सकता है। प्रकाशन अथवा उपयोग के उपरांत कतरन या जानकारी भेजने का कष्ट करें।